क्लीन इंटरमित्तांत कथेटेरीज़श्न (सी आई सी)

सी आई सी क्या है:

सी आई सी वह प्रक्रिया है जिसमे न्यूरोजेनिक ब्लैडर के मरीजों में नली डाल कर पेशाब की थैली को खाली किया जाता है

न्यूरोजेनिक ब्लैडर क्या है:

यह एक ऐसी अवस्था है जिस में किसी शारीरिक कारण से बच्चे पेशाब की थैली पूर्ण रूप से नहीं कर पाते जिस के कारणवश उनमें इन्फेक्शन और गुर्दे पर बैक प्रेशर की वजह से खराब होने की संभावना रहती है.

सी आई सी का उद्देश्य: सी आई सी का उद्देश्य है पेशाब की थैली को खाली रखना जिससे इन्फेक्शन और बैक प्रेशर की वजह से गुर्दे खराब होने का खतरा रहता है.

सी आई सी की ज़रुरत किसे है

1. न्यूरोजेनिक ब्लैडर(मेनिंगो मायलोसील,कौडल रिग्रेशन सिंड्रोम, तेथरड कॉर्ड सिंड्रोम, रीड की हड्डी को चोट आदि)
2. अल्ट्रासाउंड पर पेशाब की थैली पेशाब करने के बाद भी पूर्णतया खाली ना होना
3. ऑपरेशन के बाद पेशाब की रुकावट
4. पेशाब का दूसरा रास्ता ऑपरेशन के द्वारा बनाने के बाद
5. पेशाब की थैली को बढ़ाने के ऑपरेशन के बाद

सी आई सी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री

1. 1 बंद लिफाफे में नया बिना रिटेंशन गुब्बारा वाला फ्लेक्सिबल कैथिटर. बच्चे के लिए सही आकार का कैथिटर वह है जो बिना परेशानी के युरेथ्रा में डाल कर पूरे पेशाब को खली कर सके. ज्यादा बड़े आकार के कैथिटर से युरेथ्रा में घाव होने की और दीर्घकालिक समय में स्ट्रिक्चर होने की संभावना होती है.
2. लिग्नोकेन जैली
3. जगह साफ़ करने के लिए साबुन और पौंछने के लिए साफ़ कपड़ा या कागज़]
4. पेशाब के लिए खाली शीशी
5. अगर ज़रुरत हो तो हाथ में पकड़ने वाला शीशा
6. कैथिटर रखने के लिए पारदर्शी लिफाफा
7. कैथिटर विसंक्रमण के लिए बड़े भगोने में बीटाडीन या सिरका

लड़कों में सीआईसी की विधि

सी. आई.सी लड़कों में खड़े होकर,बैठ कर या लेट कर किया जा सकता. सबसे पहले सी. आई.सी में उपयोग होने वाला पहले सारा सामान इक्कठा कर लें. अपने हाथ २ मिनट तक अच्छे से साबुन और पानी से धो लीजिये. सी.आई.सी का यह सबसे महत्वपूर्ण भाग है जिसे हम सावधानी से करें तो बच्चे को इन्फेक्शन से बचा पाएंगे

इसके पच्छात बच्चे को एक आरामदायक स्थान पर लेटा लीजिये और लिंग की आगे की चमड़ी को पीछे करके साबुन और पानी से अच्छे से साफ़ कर लें. कैथिटर को अच्छे से देख लें और अगर उसका बाहर का काग़ज़ फटा हुआ हो तो उसे इस्तेमाल ना करें.लिंग और कैथिटर पर अच्छे से लिग्नोकेन जैली लगाये और लिंग को सीधा पकड़ कर उसमें कैथिटर का शुरूआती हिस्सा डालिये बाकी हिस्सा साफ़ डब्बे में रखते हुए. फिर कैथिटर को पेंसिल की तरह पकड़कर उसे लिंग में बिना अत्यधिक दबाव डाले तब तक डालते रहे जब तक उसमें पेशाब आराम से आना शुरू न हो जाए और फिर उससे २-३ सी मी और अंदर डाल दें.जब पेशाब आना बंद हो जाए तो कैथिटर को बाहर निकालकर चमड़ी को आगे कर दें और अपने हाथ धो लें. फिर नल के चलते पानी से कैथिटर को अच्छी तरह धो लें और रुमाल या टिशू पेपर से सुखा कर उसे लिफाफे में रख दीजिये जिस पर गन्दा लिखा हो.

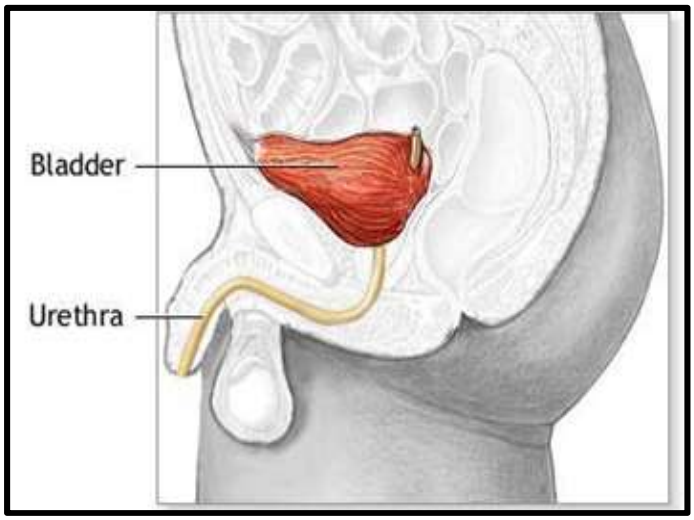

.

लड़कियों के लिए सीआईसी

सी. आई.सी में उपयोग होने वाला पहले सारा सामान इक्कठा कर लें

सबसे पहले अपने हाथ २ मिनट तक अच्छे से साबुन और पानी से धो लीजिये. सी.आई.सी का यह सबसे महत्वपूर्ण भाग है जिसे हम सावधानी से करें तो बच्चे को इन्फेक्शन से बचा पाएंगे

इसके पच्छात बच्चे को एक आरामदायक स्थान पर लेटा लीजिये और लेबिया मेजोरा को अपने हाथ से अलग करके पेशाब के रास्ते की पहचान कर लें और साबुन और पानी से अच्छे से साफ़ कर लें.
कैथिटर को अच्छे से देख लें और अगर उसका बाहर का काग़ज़ फटा हुआ हो तो उसे इस्तेमाल ना करें.
लिंग और कैथिटर पर अच्छे से लिग्नोकेन जैली लगाये और लिंग को सीधा पकड़ कर उसमें कैथिटर का शुरूआती हिस्सा डालिये बाकी हिस्सा साफ़ डब्बे में रखते हुए.फिर कैथिटर को पेंसिल की तरह पकड़कर उसे बिना अत्यधिक दबाव डाले तब तक पेशाब के रास्ते में डालते रहे जब तक उसमें पेशाब आराम से आना शुरू न हो जाए और फिर उससे २-३ सी मी और अंदर डाल दें.
जब पेशाब आना बंद हो जाए तो कैथिटर को बाहर निकाल दें और अपने हाथ धो लें. फिर नल के चलते पानी से कैथिटर को अच्छी तरह धो लें और रुमाल या टिशू पेपर से सुखा कर उसे लिफाफे में रख दीजिये जिस पर गन्दा लिखा हो.

कैथिटर को]साबुन के गरम पानी से अच्छे से अंदर और बाहर से धो लें और इंजेक्शन में पानी भरकर उससे कैथिटर को फ्लश करें. फिर कैथिटर को रुमाल या टिशू पेपर से सुखा कर उसे लिफाफे में रख दीजिये जिस पर गन्दा लिखा हो.

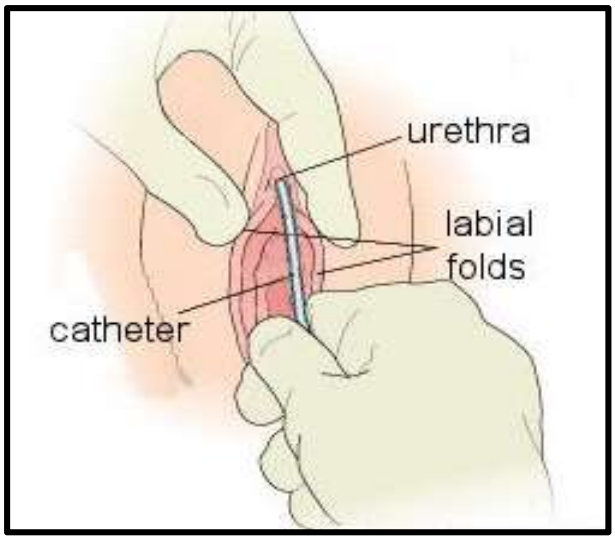

कैथिटर को साफ़ करने और रखने की विधि

इस्तेमाल के तुरंत बाद कैथिटर को]साबुन के गरम पानी से अच्छे से अंदर और बाहर से धो लें और इंजेक्शन में पानी भरकर उससे कैथिटर को फ्लश करें. फिर कैथिटर को रुमाल या टिशू पेपर से सुखा कर उसे लिफाफे में रख दीजिये जिस पर गन्दा लिखा हो.दिन में एक बार सारे धुले हुए कैथिटर को पानी में दस मिनट तक उबालें दिन में एक बार सारे धुले हुए कैथिटर को पानी में दस मिनट तक उबालें और फिर एक साफ़ टिशू पेपर पर सूखने के लिए रख दीजिये और ज़िप लॉक वाले प्लास्टिक लिफाफे पर जिस पर साफ़ लिखा हो उसमें डाल दीजिये.

विकल्प 2

दिन में एक बार सारे धुले हुए कैथिटर 250 मी.ली (1कप) बीटाडीन या सिरका में तीस मिनट तक डाल कर रखें और फिर एक साफ़ टिशू पेपर पर सूखने के लिए रख दीजिये और ज़िप लॉक वाले प्लास्टिक लिफाफे पर जिस पर "साफ़" लिखा हो उसमें डाल दीजिये

इस प्रकार विसंक्रमण करते हुए यह कैथिटर तब तक इस्तेमाल किये जा सकते हैं जब तक वह सख्त ना हो या टूट ना जाये

डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें अगर:

1. पेशाब गन्दा आ रहा हो
2. तेज़ बुखार या कमर में दर्द हो
3. पेशाब में जलन या दर्द हो
4. पेशाब बार बार होना
5. पेशाब में खून आना

कैथिटर को]साबुन के गरम पानी से अच्छे से अंदर और बाहर से धो लें और इंजेक्शन में पानी भरकर उससे कैथिटर को फ्लश करें. फिर कैथिटर को रुमाल या टिशू पेपर से सुखा कर उसे लिफाफे में रख दीजिये जिस पर गन्दा लिखा हो